नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में वन्य जीव पर चित्र प्रदर्शनी उदघाटित

विश्वविद्यालय, बहार नेचर फाउंडेशन, जनकृति का संयुक्त उपक्रम

वन्य जीवों की रक्षा से ही प्रकृति बचेगी - कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 04 अक्तूबर 2015: हम विकास के नाम पर प्रकृति में विद्यमान वन्य जीव और जंगलों को नष्ट करते जा रहे हैं। जहां-तहां प्रकृति का शोषण हो रहा है। वन्य जीव हमारी प्रकृति की अमूल्य धरोहर है उसका बचाव करने से ही प्रकृति बचेगी। उक्ताशय के विचार कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किये। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में बहार नेचर फाउंडेशन एवं जनकृति संस्था तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में रविवार दि. 04 अक्तूबर को विश्वविद्यालय के अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ भवन में 'वन्य जीव चित्र प्रदर्शनी' एवं वन्य जीवन पर आयोजित कार्यक्रम के उदघाटन के अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बहार नेचर फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रा. किशोर वानखेडे ने की।

इस अवसर पर मंच पर संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक, पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया वर्धा चैप्टर के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार राय, पराग दांडगे, मधुमक्खी विशेषज्ञ डॉ. गोपाल पालीवाल, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी उपस्थित थे।

चित्र प्रदर्शनी का उदघाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने फीता काटकर किया। उदघाटन के बाद उन्होंने प्रकृति, पर्यावरण और वन्य जीव विषय पर उपस्थितों को संबोधित किया। विदित हो कि 1 से 7 अक्तूबर तक पूरे विश्व में विश्व वन्य जीव सप्ताह मनाया जाता है। इसी के उपलक्ष्य में बहार नेचर फाउंडेशन की पहल पर विश्वविद्यालय में विभिन्न संस्थाओं ने मिलकर वन्य जीव प्रदर्शनी और इससे संबंधित उपक्रमों का आयोजन किया। प्रदर्शनी में 100 से अधिक चित्रों को प्रदर्शित किया गया।

कुलपति प्रो. मिश्र ने वन्य जीव एवं प्रकृति की रक्षा के प्रति समाज में चेतना लाए की दिशा में इस प्रकार के कार्यक्रम एवं उपक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रकृति से एक बार प्रजातियां नष्ट होन से मनुष्य जीवन ही

संकट में पड़ सकता है। प्रकृति की रक्षा के लिए विभिन्न स्तर पर होने वाले कार्य एक बड़े आंदोलन में परिवर्तीत होने चाहिए। कार्यक्रम में कुलपति के द्वारा पराग दांडगे को उनके द्वारा छिपकली पर किए गये शोध के लिए सम्मानित किया गया। मंचासीन अतिथियों को वन्य जीवों के चित्र भेंट कर स्वागत किया गया।

चित्र प्रदर्शनी के उदघाटन के बाद अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के सभागार में वन्य जीवों के महत्व पर व्याख्यान एवं पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन किया गया जिसमें मधुमक्खी विशेषज्ञ डॉ. गोपाल पालीवाल ने प्रथम सत्र में व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का प्रास्ताविक प्रा. किशोर वानखेडे ने किया. संचालन स्नेहल कुबडे ने तथा आभार वैभव देशमुख ने किया।

कार्यक्रम में बहार नेचर फाउंडेशन के रमेश बाकडे, रवींद्र पाटिल, दिलीप वीरखेडे, राहुल तेलरांधे, डॉ. बाबाजी चेवडे, संजय इंगले तिगांवकर, डॉ. जयंत वाघ, जयंत सबाने, दीपक गुढेकर, वैभव देशमुख, अश्विन श्रीवास, राजदीप राठोड़, सारिका मून, नम्रता सबाने, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी तथा विवि के जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, गिरीश पाण्डेय, डॉ. सुरजीत सिंह, रासेयो स्वयंसेवक गोदावरी ठाकुर, प्रिया माली, उज्ज्वल डेका, आशना सिद्दीकी, नीरज, जनकृति संस्था के अध्यक्ष कुमार गौरव सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

हिंदी विश्वविद्यालयात वन्य जीव चित्र प्रदर्शनाचे उदघाटन आज

विश्वविद्यालय, बहार नेचर फाउंडेशन, जनकृतीचे आयोजन

वर्धा दि. 04 ऑक्टोबर 2015: विकासाच्या नावावर निसर्गातील विद्यमान वन्य जीव आणि जंगले नष्ट होत आहेत. अन्य-अन्य प्रकाराने निसर्गाचे शोषणच होत चालले आहे. वन्य जीव हे निसर्गाचा अमूल्य ठेवा आहे त्यांचा बचाव करण्यासाठी पुढाकार घेण्याची गरज आहे. असे विचार कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी मांडले. ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात बहार नेचर फाउंडेशन, जनकृति संस्था तथा राष्ट्रीय सेवा योजना यांच्या संयुक्त विद्यमाने रविवार दि. 04 रोजी विश्वविद्यालयाच्या अनुवाद व निर्वचन विभागात 'वन्य जीव चित्र प्रदर्शन' आणि वन्य जीवनावर आधारित कार्यक्रमाच्या उदघाटन प्रसंगी बोलत होते. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी बहार नेचर फाउंडेशनचे अध्यक्ष प्रा. किशोर वानखेडे होते.

यावेळी मंचावर संचार व मीडिया अध्ययन केंद्राचे निदेशक, पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया वर्धा चॅप्टरचे अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार राय, वन्य जीव तज्ज्ञ पराग दांडगे, मधमाशी तज्ज्ञ डॉ. गोपाल पालीवाल, राष्ट्रीय सेवा योजनाचे संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी उपस्थित होते.

चित्र प्रदर्शनाचे उदघाटन प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी फीता कापून केले. उदघाटनानंतर त्यांनी निसर्ग, पर्यावरण आणि वन्य जीव या विषयावर संबोधित केले. 1 ते 7 ऑक्टोबर या काळात विश्व वन्य जीव आठवडा साजरा करण्यात येतो. या निमित्ताने बहार नेचर फाउंडेशन वर्धा यांच्या पुढाकाराने विश्वविद्यालयात विभिन्न संस्थांनी एकत्र येवून वन्य जीव प्रदर्शन आणि संबंधित उपक्रमांचे आयोजन केले. कार्यक्रमात कुलगुरु प्रो. मिश्र यांनी पालीवर केलेल्या विशेष संशोधनासाठी पराग दांडगे यांचा सत्कार केला. पाहुण्यांचे स्वागत वन्य जीवांचे चित्र भेट देवून स्वागत करण्यात आले. प्रदर्शनात शंभर हून अधिक चित्र प्रदर्शित करण्यात आले.

कार्यक्रमाला बहार नेचर फाउंडेशनचे रमेश बाकडे, रवींद्र पाटिल, दिलीप वीरखेडे, राहुल तेलरांधे, डॉ. बाबाजी चेवडे, संजय इंगळे तिगांवकर, डॉ. जयंत वाघ, जयंत सबाने, पराग दांडगे, दीपक गुढेकर, वैभव देशमुख, अश्विन श्रीवास, राजदीप राठोड़, नम्रता सबाने, सारिका मून, राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे, स्वयंसेवक गोदावरी ठाकुर, प्रिया माळी, उज्ज्वल डेका, आशुतोष विश्वकर्मा, नर्मदा ठाकुर, आशना सिद्दीकी, जनकृती संस्थेचे अध्यक्ष कुमार गौरव, मनीष कुमार, कविता सिंह, राजकुमार, राकेश विक्रम सिंह आणि वन्य जीव प्रेमींनी केले आहे.